

प्रेषक,

एस० के० माहेश्वरी,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शारान

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तरांचल, देहरादून ।

शिक्षा अनुभाग-३ देहरादून दिनांक २० मई, २००६
विषय: राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के भवनों के निर्माण हेतु
धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या नियोजन- ४/२३०७/
जीर्ण-शीर्ण भवन निर्माण/ २००४-०५ दिनांक २९-४-२००६ के संदर्भ में एवं
शासनादेश संख्या: २६/XXIV-३/२००६ दिनांक २०-२-२००६ के रूप में मुझे
यह कहने का निरेश हुआ है कि श्री राज्यपाल योगी द्वारा निम्नलिखित
माध्यमिक विद्यालयों के बालू निर्माण कार्य हेतु निम्न कालम-२ पर
उल्लिखित अनुमोदित लागत के सापेक्ष कालम-३ पर पूर्व स्वीकृत धनराशि
को समाप्तोजित करते हुए निम्न कालम-४ पर अंकित विवरणानुसार अपेक्षित
देय राम्पूर्ण रु० २८०.३५ लाख (रुपये दो करोड़ अरसी लाख पैसेंस हजार
गात्र) की धनराशि को, शासनादेश संख्या: २३३/XXIV-३/२००६ दिनांक
२७-०४-२००६ द्वारा प्रश्नगत योजना में आपके निर्वतन पर स्वीकृत
धनराशि रु० ३०९०.०० लाख में से व्यवहार करने की सही स्वीकृति
निम्नलिखित प्रतिवर्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख में)

विद्यालय का नाम	आगणनकी अनुमोदित लागत	पूर्व स्वीकृत धनराशि	स्वीकृत की जा रही धनराशि
१	२	३	४
१- रा०इ०का० पुभाऊ, अल्मोड़ा ।	२८.२०	५.००	२३.२०
२- रा०उ०मा०वि०पिपली, अल्मोड़ा ।	२९.७५	५.००	२४.७५
३- रा०इ०का० पाली गुणादित्य, अल्मोड़ा ।	२५.३०	५.००	२०.३०
४- रा०इ०का० गोतिया पाथर, अल्मोड़ा ।	२८.६०	५.००	२३.६०
५- रा०इ०का० कनरा, अल्मोड़ा ।	२८.६०	५.००	२३.६०
६- रा०इ०का० बमनस्वाल, अल्मोड़ा ।	२७.८०	५.००	२२.८०
७- रा०इ०का० चमतोला, अल्मोड़ा ।	२५.८०	५.००	२०.८०
८- रा०उ०मा०वि० अण्डोली, अल्मोड़ा ।	२९.१०	५.००	२४.१०
९- रा०इ०का० खैरोली, पिथौरागढ़ ।	५३.६०	५.००	४८.६०
१०- रा०इ०का० डोबालखेत, पिथौरागढ़ ।	५३.६०	५.००	४८.६०
योग-	३३०.३५	५०.००	२८०.३५

- (1)— निर्माण कार्य निविदा के माध्यम से प्रतिरक्षात्मक दरों पर उक्साया जायेगा। किसी भी दशा में आगणन के आधार पर कार्य का सम्पादन नहीं किया जायेगा।
- (2)— आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिल्डगूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- (3)— कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/ मानचित्र गठित कर नियमानुसार राक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (4)— कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (5)— एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार राक्षम प्राधिकारी से रवीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- (6)— कार्य कराने से पूर्व रामस्ता औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के ग्राह्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों / विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (7)— कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभौति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के बाद स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाए।
- (8)— आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (9)— निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपर्युक्त पायी जानी वाली रामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- (10)— यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृति धनराशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाय।
- (11)— निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण ऐजेन्सी उत्तरदायी होगी।

2— उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व राक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक रवीकृति आवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पंत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा सनाय शासन तथा गहालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

३— इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-07 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक- 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय- ०१-आमा॒च शिक्षा- 202-गार्थमिक शिक्षा- आयोजनागत -००- ११- राज्यकीय हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट कालेजों के भवनहीन/जीर्ण-शीर्ण भवनों का निर्माण- २४- यूहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

४— यह आदेश वित्त विभाग के अशाराकीय संख्या- 141/ वित्त अनु०-३/२००६ दिनोंक १६-५-२००६ में प्राप्त उनकी राहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस० के० माहेश्वरी)
अपर सचिव

संख्या: २०५ (१) / XXIV-३/२००६ तदनिर्माक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आदेशक कार्यवाही हेतु प्रेपितः—

- १— महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- २— निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
- ३— निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी।
- ४— निजी सचिव, गुरुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- ५— आयुक्त, कुमार्यू मण्डल, उत्तरांचल।
- ६— मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, कुमार्यू मण्डल-नैनीताल।
- ७— जिलाधिकारी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़।
- ८— कोषाधिकारी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़।
- ९— जिला शिक्षा अधिकारी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़।
- १०— बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- ११— वित्त अनुभाग-३/कम्प्यूटर सेल/वित्त विभाग।
- १२— ~~एस०आई०सी०~~, सचिवालय परिसर, उत्तरांचल, देहरादून।
- १३— संबंधित निमार्ण ऐजेन्सी।
- १४— गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
कृष्णमुख्यमंत्री
(एस० के० माहेश्वरी)
अपर सचिव

१८